साहित्य संहिता
Available at http://sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 01 Issue 11
December 2015

एक थी उमा

सीमा कुमारी

एक थी उमा
उस गावं की
जहा था उसका
घर संसार
रहती थी
माँ के साथ
धयान लगा
करती थी कम
सयानी हुई
छुटी बचपना
छुट गया
माँ-पापा का प्यार
हुआ विवाह
गयी ससुराल
जुट गयी
ससुराल के आंगन में
ढूंड रही
माँ जैसा प्यार
नहीं मीला
उसे कोई प्यार
फुट परे
आसू की गगरी
वेह चली
आसू की धरा
समझ गयी
यही है किनारा